संपादकीय

अदालत की आत्मा को लगा झटका

उप्र के इलाहाबाद में बुलडोजर से घर ढहाने को सुप्रीम कोर्ट ने अमानवीय और अवैध करार देते हुए कहा कि इससे अदालत की आत्मा को झटका लगा है। उप्र सरकार को प्रत्येक परिवार को दस लाख रुपये का मुआवजा देने के साथ अधिकारियों को उनकी अत्याचारिता के लिए सबक सिखाने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि इस देश में आश्रय का अधिकार, कानून की उचित प्रक्रिया और कानून का शासन जैसी कोई चीज है।

आवासीय परिसरों को मनमाने तरीके से ध्वस्त करने पर विकास अधिकारियों को यह याद रखने को कहा कि आश्रय का अधिकार मौलिक अधिकार है और संविधान के अनुच्छेद 21(जीवन व स्वतंत्रता) का अभिन्न अंग है। सभी छह याचिकाकर्ता इलाहाबाद के लूकरगंज के निवासी हैं जिनके घर मार्च, 2021 में बुलडोजर से ध्वस्त किए गए थे।

उनका कहना है कि स्थानीय अधिकारियों ने गलत धारणाओं के आधार पर घर गिराया कि वे माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की संपत्तियां हैं। शीर्ष अदालत ने अंबेडकरनगर जिले में बुलडोजर कार्रवाई का भी हवाला दिया। झोपड़ियों को ध्वस्त किए जाने पर कहा कि वह बहुत परेशान करने वाला और चौंकाने वाला है। उप्र सरकार के वकील ने दलील दी कि ये मकान अवैध थे इसलिए ध्वस्त किए गए। इनके साथ अन्य संपत्तियां भी ढहाई गई।

हैरत है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तोड़-फोड़ की इस कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी थी। राज्य सरकार का दावा था कि बुलडोजर कार्रवाई पेशेवर अपराधियों और माफिया के खिलाफ की गई।

इस हकीकत के बावजूद सरकारी तंत्र को उचित नोटिस देने के साथ ही रहवासियों को कागजात दिखाने और मालिकाना साबित करने का वक्त देना चाहिए था। रही बात अवैध कब्जों की तो यह राज्य सरकारों का जिम्मा है कि वे निकाय और स्थानीय विकास अधिकारियों को इतने मुस्तैद बनाएं कि वे कब्जा पक्का करने से पूर्व ही हरकत में आएं। भू-माफिया और सरकारी मिली-भगत के बगैर कोई कब्जा संभव नहीं है।

बुलडोजर चलाना समस्या का हल नहीं कहा जा सकता। सरकार को अपनी लापरवाहियों और गैर-जिम्मेदाराना रवैये से सबक लेना चाहिए। इस तरह की कार्रवाइयां बगैर सरकार के इशारे के अधिकारी नहीं कर सकते। इसलिए असली लताड़ तो सरकार को ही लगानी चाहिए। जनता से जीने का अधिकार छीनने का नतीजा भुगतने को उसे भी तैयार रहना होगा।

अदाणी समूह के 750 मिलियन डॉलर के बॉन्ड इश्यू में सबसे बड़ा निवेशक अमेरिकी प्रमुख ब्लैकरॉक

नई दिल्ली

भारतीय दिग्गज अदाणी समूह द्वारा जारी किए गए 750 मिलियन डॉलर के निजी बॉन्ड में अमेरिका स्थित प्रमुख एसेट मैनेजर ब्लैकरॉक सबसे बड़ा निवेशक है। यह जानकारी गुरुवार को सूत्रों की ओर से दी गई।

मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, ब्लैकरॉक का यह कदम भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एसेट मैनेजर का पहला निजी प्लेसमेंट है।

ब्लैकरॉक की भागीदारी यह भी संकेत देती है कि उसे अमेरिका में कानूनी कार्यवाही से समूह के लिए किसी महत्वपूर्ण परिचालन व्यवधान को लेकर कोई आशंका नहीं है।

वैश्विक स्तर पर 12 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति की देखरेख करने वाले ब्लैकरॉक ने 750 मिलियन डॉलर के इश्यू का एक तिहाई हिस्सा अपने पास ले लिया है, जिसकी अवधि 3 से 5 साल की है।

ब्लैकरॉक के अलावा, अदाणी समूह के पूंजी जुटाने में पांच अन्य संस्थागत निवेशकों ने भी भाग लिया।

सूत्रों के अनुसार, अदाणी समूह के प्रमोटर फैमिली की पूर्ण स्वामित्व वाली ऑफशोर एंटिटी रिन्यू एक्जिम डीएमसीसी के 750 मिलियन डॉलर के बॉन्ड इश्यू का इस्तेमाल आईटीडी सीमेंटेशन के अधिग्रहण और दूसरे विकास के अवसरों को फाइनेंस करने के लिए किया जाएगा।

अदाणी समूह ने इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अपनी इंजीनियरिंग क्षमताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से पिछले साल आईटीडी सीमेंटेशन में अपने प्रमोटर्स से 5,888.57 करोड़ रुपये में 46.64 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की थी।

रिन्यू एक्जिम ने तब से 400 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से ओपन ऑफर के जरिए अतिरिक्त 20.81 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट और तूतीकोरिन, मुंद्रा और विझिनजाम में बंदरगाहों जैसी प्रमुख परियोजनाओं पर अपने काम के लिए दुनियाभर में मशहूर आईटीडी सीमेंटेशन को अदाणी की लॉन्ग-टर्म निवेश महत्वाकांक्षाओं के लिए एक रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखा जाता है।

ब्लैकरॉक के चेयरमैन लैरी फिंक के अनुसार, इंफ्रास्ट्रक्चर सबसे रोमांचक लॉन्ग टर्म निवेश अवसरों में से एक है, क्योंकि कई संरचनात्मक बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया आकार देते हैं।

अदाणी समूह दुनिया के सबसे बड़े निवेशक के प्रवेश को एक मजबूत विश्वास मत के रूप में देखता है।

यह अदाणी समूह का दूसरा निजी डॉलर बॉन्ड जारी करने को दिखाता है। समूह ने फरवरी में अपने ऑस्ट्रेलियाई बंदरगाह संचालन के लिए लगभग 200 मिलियन डॉलर जुटाए थे।

एसआईपी निवेश मार्च में रहा 25,000 करोड़ रुपए से अधिक, एयूएम बढ़कर हुआ 65.74 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए मार्च में 25,926 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड (एम्फी) की ओर से शुक्रवार को जारी डेटा में दी गई।

बीते महीने एसआईपी के जरिए निवेश में मामूली गिरावट दर्ज की गई है और यह फरवरी में 25,999 करोड़ रुपये था।

एसआईपी में लगातार निवेश आना दिखाता है कि लोग लंबी अवधि के नजरिए शेयर बाजार में अनुशासित तरीके से निवेश कर रहे हैं।

मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 25,082 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। फरवरी में यह आंकड़ा 29,303 करोड़ रुपये था

बीते महीने स्मॉलकैप फंड्स में 4,092 करोड़ रुपये का इनफ्लो आया है, जो कि फरवरी में 3,722 करोड़ रुपये था। वहीं, मिडकैप फंड्स में 3,438 करोड़ रुपये का इनफ्लो दर्ज किया गया है। फरवरी में यह आंकड़ा 3,407 करोड़ रुपये पर था।

मार्च में लार्जकैप फंड्स में इनफ्लो 2,479 करोड़ रुपये रहा है, जो कि फरवरी में 2,866 करोड़ रुपये था। लार्जकैप और मिडकैप फंड में 2,718 करोड़ रुपये का इनफ्लो आया है। फरवरी में यह आंकड़ा 2,656 करोड़ रुपये था।

इसके अतिरिक्त, बीते महीने फ्लेक्सी कैप फंड में सबसे अधिक 5,615 करोड़ रुपये का इनफ्लो आया है। फरवरी में इस कैटेगरी में 5,104 करोड़ रुपये का निवेश आया था।

बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद सभी 11 इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी में इनफ्लो सकारात्मक रहा है। इस कारण मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स का असेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 7.6 प्रतिशत बढक़र 29.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

हालांकि, मार्च में डेट म्यूचुअल फंड्स में 2.02 लाख करोड़ रुपये का आउटफ्लो देखने को मिला है, जो कि फरवरी के 6,525 करोड़ रुपये के आउटफ्लो के मुकाबले काफी अधिक है।

प्रतीक गांधी-पत्रलेखा की फिल्म फुले की रिलीज टली, अब 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

प्रतीक गांधी और पत्रलेखा की फिल्म 'फुले' का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। लेकिन अब इस फिल्म के चाहने वालों के लिए झटका देने वाली खबर है। क्योंकि रिलीज से ठीक पहले फिल्म को आगे बढ़ा दिया गया है। अब ये फिल्म अपनी निर्धारित तिथि 11 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी। फिल्म की रिलीज आगे बढने की एक प्रमुख वजह फिल्म को लेकर उठे राजनीतिक विवाद को माना जा रहा है। जिस वजह से फिल्म अब दो हफ्ते आगे बढ़ गई है। समाज सुधारक ज्योतिराव फुले और उनकी पत्नी सावित्री फुले के जीवन पर आधारित 'फुले' पहले 11 अप्रैल को रिलीज होनी थी। लेकिन अब मेकर्स ने ये साफ कर दिया है कि फिल्म 11 अप्रैल को नहीं बल्कि 25 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से ठीक पहले अचानक फिल्म को आगे बढ़ाने की वजह तो अभी साफ नहीं हुई है। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि इसके आगे बढने की वजह फिल्म को लेकर उठ रहा विवाद हो सकता है। फिल्म में ज्योतिराव फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले के जाति और लैंगिक अन्याय को लेकर किए गए संघर्ष को दिखाया गया है।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता में रिकॉर्ड 29.52 गीगावाट की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता में रिकॉर्ड 29.52 गीगावाट का इजाफा हुआ है, जिससे 31 मार्च, 2025 तक देश की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता बढक़र 220.10 गीगावाट हो गई है। यह जानकारी न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा दी गई।

पिछले वित्त वर्ष में रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता में तेज विस्तार की वजह सोलर एनर्जी क्षमता में 23.83 गीगावाट का इजाफा होना है। वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 15.03 गीगावाट का था।

बयान में कहा गया कि देश में कुल स्थापित सोलर एनर्जी क्षमता अब 105.65 गीगावाट हो गई है, जिसमें ग्राउंड-माउंटेड इंस्टॉलेशन (81.01 गीगावाट), रूफटॉप सोलर (17.02 गीगावाट), हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स के सोलर कंपोनेंट (2.87 गीगावाट) और ऑफ-ग्रिड सिस्टम (4.74 गीगावाट) शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 में विंड एनर्जी क्षमता में भी मजबूत प्रगति देखी गई है और इस दौरान 4.15 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2023-24 में 3.25 गीगावाट था।

देश में स्थापित कुल विंड एनर्जी क्षमता बढक़र 50.04 गीगावाट हो गई है। इसके अतिरिक्त, बायोएनर्जी इंस्टॉलेशन की कुल क्षमता 11.58 गीगावाट तक पहुंच गई, जिसमें ऑफ-ग्रिड और वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट्स से प्राप्त 0.53 गीगावाट क्षमता शामिल है। वहीं, देश में छोटे हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स की क्षमता बढक़र 5.10 गीगावाट हो गई है, जबकि 0.44 गीगावाट के और प्रोजेक्ट्स क्रियान्वित किए जा रहे हैं।

एमएनआरई के बयान के मुताबिक, स्थापित क्षमताओं के अलावा, भारत में 169.40 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमताएं कार्यान्वयन के अधीन हैं और 65.06 गीगावाट के लिए टेंडर्स पहले से ही जारी किए जा चुके हैं। इसमें हाइब्रिड सिस्टम, राउंड-द-क्लॉक (आरटीसी) पावर, पीकिंग पावर और थर्मल प्लस आरई बंडलिंग प्रोजेक्ट्स जैसे उभरते समाधानों से 65.29 गीगावाट की क्षमता शामिल हैं।

व्यापार निकाय ने अमेरिका के टैरिफ रोके जाने के बाद अंतरिम टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रोटेक्शन स्कीम की मांग की

नई दिल्ली

भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ में 90 दिन की राहत उन भारतीय कपड़ा और परिधान निर्यातकों के लिए सकारात्मक है, जो उच्च टैरिफ बाधाओं का सामना कर रहे थे। सीआईटीआई ने सरकार से अंतरिम टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रोटेक्शन स्कीम शुरू करने का आग्रह किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को छोडक़र सभी के लिए रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिन की 'रोक' की घोषणा की है।

इस अवधि के दौरान, मौजूदा शुल्क, फीस, कर, वसूली या लागू शुल्क के अलावा 10 प्रतिशत का काफी कम रेसिप्रोकल टैरिफ लागू रहेगा।

सीआईटीआई के चेयरमैन राकेश मेहरा ने कहा, अस्थायी राहत से भारतीय कपड़ा और परिधान निर्यातकों को अल्पकालिक राहत मिलेगी, जो उच्च टैरिफ बाधाओं का सामना कर रहे थे। हालांकि, यह केवल एक अस्थायी उपाय है। यह महत्वपूर्ण है कि भारत सरकार अधिक सस्टेनेबल और पारस्परिक रूप से लाभकारी समाधान पर पहुंचने के लिए अमेरिकी समकक्षों के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ाए।

अमेरिकी बाजार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका भारतीय कपड़ा और परिधान निर्यात के लिए सबसे बड़ा गंतव्य है।

मेहरा ने कहा, सरकार बेहतर टैरिफ पहुंच के लिए द्विपक्षीय वार्ता को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है, उद्योग सरकार से अंतरिम टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रोटेक्शन स्कीम शुरू करने पर विचार करने का आग्रह करता है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के उपाय से अतिरिक्त टैरिफ लागतों के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी, खासकर कपड़ा और परिधान निर्यातकों के बहुत कम मार्जिन को देखते हुए।

उन्होंने आगे बताया कि अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापार तनाव देश के लिए एक रणनीतिक अवसर प्रस्तुत करते हैं।

उन्होंने जोर दिया, अमेरिका, चीन से अलग अपने सोर्सिंग में विविधता लाने की कोशिश कर रहा है, ऐसे में भारत एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभरने की क्षमता रखता है।

भूल चूक माफ का ट्रेलर रिलीज, वामिका के साथ शादी की गुत्थी सुलझाते नजर आए राजकुमार राव

स्काई फोर्स और छावा के साथ दिल जीतने के बाद, दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स एक नई लव स्टोरी भूल चूक माफ के साथ वापस आ गई है. इस दिल को छू लेने वाली रोमांटिक कॉमेडी का ट्रेलर रिलीज किया गया है. भूल चूक माफ में पहली बार राजकुमार राव और वामिका गब्बी एक साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आएंगे.

मैडॉक फिल्म्स ने भूल चूक माफ का ट्रेलर सोशल मीडिया पर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, तितली है रंजन का प्यार, हल्दी पर अटका है उसका संसार,तो देखने जरूर आइएगा इनकी कहानी विद परिवार. एक भसड़ वाली शादी के लिए तैयार हो जाइए जहां सब कुछ गलत हो जाता है.

भूल चूक माफ के ट्रेलर की शुरुआत राजकुमार राव की कॉमिक टाइमिंग की झलक से होती है, जिसमें उनके परिवार और वामिका के बीच बातचीत होती है. दोनों का परिवार पुलिस थाने में होते हैं, जहां तितली का किरदार निभा रहीं वामिका का परिवार, रंजन (राजकुमार राव) को 2 महीने में सरकारी नौकरी का चैलेंज देता है. इस चैलेंज के लिए रंजन मंदिर में मन्नत मांगने जाते हैं, जहां अगल-अगल तरीके से मन्नत मांगते दिखते हैं.

सरकारी नौकरी मिलने के बाद उनकी शादी तय हो जाती है. शादी के बीच एक ट्विस्ट आता है. रंजन की शादी टाइम लूम में फंस जाती है. राजकुमार राव हर दिन 29 तारीख को होने वाली अपनी हल्दी की रस्म से परेशान हो जाते हैं. वह एक दिन बाद यानी 30 तारीख को होने वाली शादी का इंतजार करता है. लेकिन वह दिन कभी नहीं आता. अब देखने होगा कि इस टाइम लूप की समस्या कैसे खत्म होगी. क्या इस टाइम लूप से राजकुमार राव बाहर आ पाएंगे या नहीं.

वाराणसी के बैकग्राउंड पर आधारित यह फिल्म रंजन नाम के एक रोमांटिक व्यक्ति की कहानी है, जो अपने प्यार तितली को पाने के लिए सरकारी नौकरी पाने में सफल होता है. लेकिन शादी से ठीक पहले वह टाइम लूप में फंस जाता है.

चिरंजीवी की फिल्म विश्वम्भर का पहला गाना रामा रामा 12 अप्रैल को होगा रिलीज

निर्देशक वशिष्ठ की बहुप्रतीक्षित महान कृति 'विश्वम्भरा' का पहला सिंगल, जिसमें मेगास्टार चिरंजीवी मुख्य भूमिका में हैं, 12 अप्रैल को रिलीज़ होगा, इसके निर्माताओं ने घोषणा की। फिल्म के निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म का पहला सिंगल 'रामा रामा' 12 अप्रैल को रिलीज़ किया जाएगा। इस गाने को अकादमी पुरस्कार विजेता एमएम कीरवानी ने तैयार किया है।

निर्माताओं द्वारा पहले सिंगल की रिलीज़ की घोषणा करने के लिए जारी किए गए पोस्टर से पता चलता है कि 'रामा रामा' एक भक्ति गीत होगा।

तस्वीर में चिरंजीवी को हनुमान के रूप में तैयार बच्चों से घिरा हुआ दिखाया गया है, पृष्ठभूमि में भगवान राम की एक भव्य मूर्ति है। रामजोगय्या शास्त्री ने इस गाने के बोल लिखे हैं।

अपनी ब्लॉकबस्टर डेब्यू बिम्बिसार से अमिट छाप छोडऩे वाले निर्देशक वशिष्ठ ने विश्वम्भर को एक शानदार फिल्म बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। निर्देशक ने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया है कि वह इस फिल्म को अब तक की अपनी सबसे महत्वाकांक्षी और प्रतिष्ठित परियोजना मानते हैं।

इस फिल्म में कई स्टार कलाकार हैं, जिनमें त्रिशा कृष्णन और आशिका रंगनाथ मुख्य भूमिका में हैं। कुणाल कपूर ने फिल्म में अहम किरदार निभाया है।

फिल्म की सिनेमैटोग्राफी छोटा के नायडू ने की है, जबकि एएस प्रकाश प्रोडक्शन डिजाइनर हैं। फिल्म का संपादन कोटागिरी वेंकटेश्वर राव और संतोष कामिरेड्डी ने किया है, जबकि फिल्म के संवाद साईं माधव बुर्रा ने लिखे हैं।

विष्णु मांचू की फिल्म कन्नप्पा की नई रिलीज डेट अनाउंस, अब 27 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

विष्णु मांचू स्टारर अपकमिंग माइथोलॉजिकल ड्रामा फिल्म कन्नप्पा 25 अप्रैल 2025 को रिलीज होने वाली थी. अपकमिंग माइथोलॉजिकल ड्रामा फिल्म कन्नप्पा की रिलीज डेट ऑफिशियली चेंज कर दी गई है. मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर नई रिलीज डेट का एलान कर दिया है. लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ एक स्पेशल बैठक के दौरान यह घोषणा की गई, जहां फिल्म की टीम ने एक शानदार पोस्टर को लॉन्च करते हुए फिल्म मेकिंग की झलक दिखाई.

फिल्म की नई रिलीज डेट 27 जून, 2025 तय की गई है, फिल्म को इसके पोस्ट-प्रोडक्शन में देरी होने के कारण पोस्टपोन किया गया है. मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित यह फिल्म भगवान शिव के एक समर्पित भक्त कन्नप्पा की कथा से प्रेरित है. कहानी कन्नप्पा नामक एक नास्तिक शिकारी की है, जो शिव का अनन्य भक्त बन जाता है और उनकी भक्ति में लीन हो जाता है.

आज का राशिफल

मेष : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखेंगे, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे।

वृष : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें जल्द ही आपको भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। छात्रों को आज थोड़ी और मेहनत करने की जरुरत है। सफलता के योग बने हुए हैं।

मिथुन : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज अपनी बातों से लोगों को प्रभावित करने में सक्षम होंगे। आपके द्वारा समाज में किये गये सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, यह देखकर आपको गर्व महसूस होगा।

कर्क : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका काम जो आप काफी दिनों से कर रहे थे वह आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मानव हित में किये गये सराहनीय कामों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चो पर रोक लगाकर आप बचत करने के बारे में विचार करेंगे।

कन्या : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। इस राशि के जो लोग सरकारी नौकरी कर रहे हैं वे लोग अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। आज आप किसी के भी मामले में उलझने से बचे।

तुला : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपके काम करने के तरीके से लोग प्रभावित होंगे, लोग आपका अनुसरण करेंगे। आज आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सक्षम होंगे। आज किसी से बात करते समय अपनी पर्सनल बातें शेयर न करें।

वृश्चिक : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज मित्रों से अपने मन की बात शेयर करने से आपके मन को सुकून मिलेगा। इसके साथ ही आपको नई-नई जानकारियां भी हासिल होंगी।

धनु : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। आप कोई भी फैसला भावात्मक बातों में आकर न करके गलत फैसलों से बच जायेंगे।

मकर : आज आपका दिन बढिय़ा रहेगा। आज आप शाम के समय अपने माता-पिता के साथ किसी महत्वपूर्ण टॉपिक पर विचार विमर्श करेंगे, आपको अच्छा समाधान मिल सकता है। आज विशेष इच्छा पूरी होने से आपको खुशी मिलेगी।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए विशेष रहने वाला है। आज आपको किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। आपने, अपने काम को लेकर जो भी सपने संजोये थे वह आज काफी हद तक पूरे हो जाएंगे।

मीन : आज का समय आपके लिए अच्छा है। आज आपकी पारिवारिक समस्या हल होगी और आपके रुके काम में गति आएगी। आज सकारात्मक प्रवृति के लोगों की सलाह आपके लिए फायदेमंद रहेगी। आपकी मेहनत का उचित फल आपको जल्द ही मिलने वाला है।

लोगों के बीच बहुत प्रचलित हैं लहसुन से जुड़े ये भ्रम

लहसुन न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि यह कई औषधीय गुणों से भी भरपूर होता है।

हालांकि, लहसुन को लेकर कई भ्रम प्रचलित हैं, जिन्हें जानकर आपको हैरानी हो सकती है।

इस लेख में हम लहसुन से जुड़े ऐसे ही भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि ये कितने सही हैं। इससे आपको लहसुन के असली फायदों और इसके उपयोग के सही तरीकों के बारे में जानकारी मिलेगी, जिससे आप अपने स्वास्थ्य का बेहतर ख्याल रख सकें।

भ्रम- लहसुन खाने से शरीर से दुर्गंध आती है

यह सबसे आम भ्रम है कि लहसुन खाने से शरीर से दुर्गंध आती है। हालांकि, सच यह है कि अगर आप नियमित रूप से लहसुन का सेवन करते हैं तो आपकी सांसों में दुर्गंध नहीं होती है।

दरअसल, लहसुन में एक खास तत्व होता है, जो बैक्टीरिया को खत्म करता है और मुंह की बदबू को दूर करता है। इसलिए लहसुन खाने से शरीर से दुर्गंध नहीं आती, बल्कि यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

भ्रम- लहसुन का सेवन करना गर्मियों में सही नहीं है

गर्मियों में लहसुन खाने से शरीर में गर्मी बढ़ती है, ऐसा मानना भी एक भ्रम है।

असल में लहसुन में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को ठंडक पहुंचाते हैं और त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

गर्मियों में लहसुन का सेवन करने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं जैसे कि पाचन तंत्र बेहतर होता है और रोगों से लडऩे की क्षमता मजबूत होती है। इसलिए गर्मियों में भी लहसुन का सेवन करना सुरक्षित है।

भ्रम- गर्भवती महिलाओं को लहसुन नहीं खाना चाहिए

गर्भवती महिलाओं को लहसुन न खाने देने का यह भ्रम भी गलत है।

वास्तव में गर्भावस्था में लहसुन खाना सुरक्षित होता है क्योंकि इसमें विटामिन्स और खनिज होते हैं, जो मां और बच्चे दोनों के लिए फायदेमंद होते हैं।

हालांकि, किसी भी चीज की अति नुकसानकारी हो सकती है इसलिए संतुलित मात्रा में लहसुन का सेवन करना चाहिए।

शब्द सामर्थ्य- 15

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

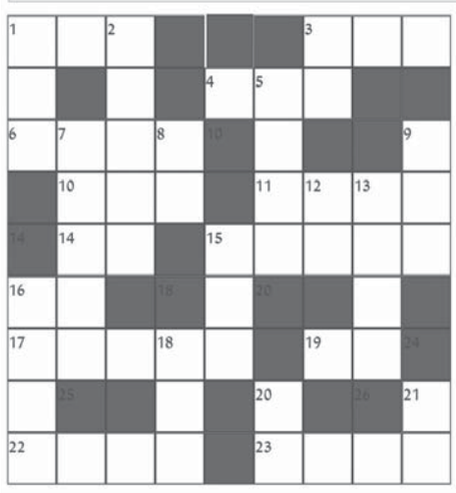

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 014 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	शि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

सू-दोकू- 15

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.014का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5